शांति के लिए साथ आए धर्मगुरु

पंजाब व देश के अन्य राज्यों में धार्मिक हिंसा के खिलाफ पंजाब भवन में बैठक में भाग लेते हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई। -भास्कर

दैनिक भास्कर

पंजाब केसरी

वीरवार, 24 मई, 2007 ◆ दिल्ली ◆ तदनुसार 10 ज्येष्ठ, 2064

सिरसा के डेरा सच्चा सौदा व सिख संगठनों के बीच पनपे विवाद को शांत करवाने के उद्देश्य से सर्वधर्म समन्वय संसद का एक प्रतिनिधिमंडल स्वामी

सच्चा सौदा प्रमुख मांग सकते हैं बिना शर्त माफी

जी.एस. चावला (राजनीतिक संवाददाता)/नई दिल्ली

स्वामी अग्निवेश के नेतृत्व में 4 धार्मिक एवं सामाजिक नेताओं ने कल शाम डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह से लम्बी बैठक की और अब इन नेताओं को दिए गए अपने सुझावों पर डेरा से सकारात्मक जवाब का इंतजार है। इन नेताओं ने डेरा प्रमुख को सुझाव दिया कि अपमानजनक कार्यवाही जो उन्होंने की या जिसे सिख समुदाय अपमानजनक कार्रवाई मानता है, के लिए उन्हें बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए ताकि पंजाब और हरियाणा में स्थिति सामान्य बनाई जा सके। कल शाम सिरसा में स्वामी अग्निवेश के नेतृत्व में कैथोलिक चर्च के प्रतिनिधि फादर फिलिप, मौलाना जमील

■ चार धार्मिक नेताओं को आशा : डेरा मुख्यालय में दस घंटे वार्ता

▶ शेष पृष्ठ 5 पर ॥

सच्चा सौदा...

अहमद इलियासी व जैन मुनि लोकेश प्रकाश ने डेरा मुख्यालय में 10 घंटे बिताए और पूरे मुद्दे पर चर्चा की तथा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख को मनाने की कोशिश की। उन्होंने बयान के दो प्रारूप दिए जिसमें बिना शर्त माफी का उल्लेख था। जिससे पांचों सिंह साहिबान संतुष्ट हो सकते हैं। इन नेताओं ने डेरा प्रमुख को यह समझाने का प्रयास किया कि उनका माफी मांगना शांति स्थापित करने और भड़की भावनाओं को शांत करना जरूरी है। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख ने उन्हें बुधवार तक अपने फैसले से अवगत कराने को कहा था। स्वामी अग्निवेश, जो स्पष्टवादी हैं, ने सच्चा सौदा प्रमुख से कहा कि सिख समुदाय से माफी मांगने से उनकी प्रतिष्ठा कम नहीं होगी बल्कि उनकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। चारों नेताओं का पंजाब के मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, अकाल तख्त के प्रमुख और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रमुख से सम्पर्क बना हुआ है। अकाल तख्त के प्रमुख और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष ने उनसे यह कहा कि वह तनाव को बढ़ाना नहीं चाहते और सम्मानजनक समझौते को प्राथमिकता देंगे। यदि सच्चा सौदा प्रमुख सिख समुदाय से बिना शर्त माफी मांगते तो मामला सुलझ जाता। बादल तनाव खत्म करने के लिए चारों नेताओं को सहयोग कर रहे हैं। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष का यह बयान भी कि सच्चा सौदा सम्प्रदाय को पंजाब में अपने सभी डेरे खाली कर देने चाहिएं, वांछनीय नहीं समझा जा रहा। यदि सच्चा सौदा प्रमुख बिना शर्त माफी मांग लेते हैं, जैसा कि चारों धार्मिक नेताओं का सुझाव है, तो ये चारों नेता शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष की ओर अपना रुख करेंगे और उन्हें ऐसी बयानबाजी बंद करने की सलाह देंगे। सच्चा सौदा प्रमुख शायद यह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि सरकार हस्तक्षेप करेगी और डेरा प्रबंधकों के खिलाफ मामलों में चल रही सीबीआई जांच में मदद का कोई निजी आश्वासन देगी। ये मामले जिनमें हत्या और यौन शोषण भी शामिल हैं काफी गम्भीर हैं और हाईकोर्ट जांच की मानीटरिंग कर रहा है। सरकार अब सच्चा सौदा प्रमुख की इस जांच में कोई मदद करने की स्थिति में नहीं है। इस बीच राजनीतिक हलकों ने इस मामले में भाजपा की भूमिका भी नोट की है। पंजाब और दिल्ली में भाजपा डेरा सच्चा सौदा की तुलना में प्रकाश सिंह बादल की ज्यादा आलोचक रही है। वास्तव में भाजपा परोक्ष रूप से सच्चा सौदा की पक्षधर है। यह स्पष्ट है कि अगले हरियाणा चुनावों में भाजपा सच्चा सौदा से मदद लेने की उम्मीद कर सकती है। यहां तक कि अकालियों ने भी भाजपा की भूमिका को पढ़ लिया है। बादल भाजपा के लिए नर्म रवैया रखते हैं। इसके बावजूद अकाली नेतृत्व ने पंजाब में भाजपा की भूमिका को नोट कर लिया है, परन्तु यह भी सच है कि पंजाब में भाजपा अगर इतनी सीटें ले पाई हैं तो सिर्फ अकालियों के साथ मित्रता के कारण ही। इससे पूर्व आरएसएस ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया था, जिसके प्रति सिख संगठनों में भारी रोष है।